कोल्ड वेदर पेट्रोलमेन के कर्तव्य और दायित्व

ए. पेट्रोलमेन की जिम्मेदारियां

1. सामान्य

ठंड के मौसम में ट्रैक की पेट्रोलिंग उस अवधि (सर्दियों में) के दौरान की जाती है जब रेल का तापमान तनाव मुक्त/ डीस्ट्रेसिंग तापमान से काफी कम होता है। हर स्थिति में ट्रैक के रख-रखाव और सुरक्षा के लिए प्रत्येक पेट्रोलमेन जिम्मेदार होगा। वे अपने संबंधित उच्च अधिकारियों के निर्देशों का पालन करेंगे।

2. पेट्रोलमेन को जीपीएस ट्रैकर उपकरण दिया जाता है। पेट्रोलमेन को ट्रैक की पेट्रोलिंग के दौरान उसे ऑन अवश्य कर लेना चाहिए। पेट्रोलिंग के पश्चात उसे ऑफ कर दें और चार्जिंग पर लगा दें।

3. नियमों और संकेतों का ज्ञान

प्रत्येक पेट्रोलमेन को हाथ और विस्फोट के संकेतों का सही ज्ञान होना चाहिए और निम्नलिखित नियमों से परिचित होना चाहिए।

ए) हाथ के संकेतों के नियम

I. हाथ के संकेतों का ज्ञान और अधिकार

(1) ट्रेनों की आवाजाही, शंटिंग संचालन, अधिष्ठापन के रखरखाव और ट्रेनों की सुरक्षा को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रकार के कार्यों से जुड़े प्रत्येक रेल कर्मचारी को निम्नलिखित जानकारी प्राप्त करना होगी:–

i. हाथ के संकेतों का सही ज्ञान; तथा

ii. ड्यूटी के दौरान अपने साथ अपेक्षित हाथ संकेत रखें और उन्हें अच्छे हालत में और तत्काल उपयोग के लिए तैयार रखें।

(2) प्रत्येक रेल सेवक यह देखेगा कि हाथ संकेत के उपयोग से संबंधित उसके अधीन कर्मचारियों को हाथ संकेत के लिए सभी आवश्यक उपकरण पर्याप्त रूप से उपलब्ध कराए गए हैं और उन्हें उनके उपयोग की सही जानकारी है।

(3) एक लाल झंडी और एक हरी झंडी दिन में या बत्ती, जो रात में लाल, हरी और सफेद रोशनी दिखाने में सक्षम है, हाथ से संकेत देने के लिए आवश्यक उपकरण जमा करेगा।

II. हाथ के संकेतों को दिखाना

(1) हाथ के सभी संकेतों को दिन में झंडी या हाथ दिखाकर और रात में इन नियमों के अनुसार रोशनी दिखाकर प्रदर्शित किया जाएगा।

(2) दिन के दौरान एक झंडी या झंडीयों को सामान्य रूप से हाथ के संकेतों के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। हाथों का प्रयोग आपातस्थिति में तभी किया जाना चाहिए जब झंडी उपलब्ध न हों।

(3) रात के दौरान सामान्य रूप से एक लाल या हरी बत्ती दिखाकर हाथ का संकेत दिया जाएगा। तेज़ी से लहराई गई सफेद रोशनी को स्टॉप सिग्नल के रूप में तभी इस्तेमाल किया जाएगा जब लाल बत्ती उपलब्ध न हो।

(4) लाल या हरी बत्ती या तो स्थिर या चमकती प्रकार की होगी।

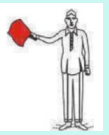
(5) आने वाली ट्रेन को किसी रुकावट के बारे में चेतावनी देने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सिग्नल रात में एक लाल चमकती हैंड सिग्नल लैंप या दिन के दौरान एक लाल झंडी होना चाहिए।

III. स्टॉप हैंड सिग्नल

(1) इंगित : पूर्ण विराम

(2) दिन के समय कैसे दिया जाता है:

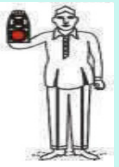
लाल झंडी दिखाकर या हाथों के साथ दोनों भुजाओं को सिर के ऊपर उठाकर, जैसा कि नीचे चित्र में दिखाया गया है;





(3) रात के समय कैसे दिया जाता है:

लाल बत्ती दिखाकर या संकेत दिखाने वाले व्यक्ति के शरीर पर क्षैतिज रूप से सफेद बत्ती तेज़ी से लहराते हुए, जैसा कि नीचे चित्र में दिखाया गया है;





IV. आगे बढ़ने के लिए हैंड सिग्नल

(1) इंगित: आगे बढ़ो

(2) दिन के समय कैसे दिया जाता है:

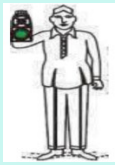
हरी झंडी को पकड़कर या एक हाथ को स्थिर रूप से रखकर जैसा कि नीचे चित्र में दिखाया गया है;





(3) रात के समय कैसे दिया जाता है

एक हरी बत्ती को स्थिर रूप से पकड़ कर, जैसा कि चित्र में दिखाया गया है:-



V. सावधानी से आगे बढ़ने के लिए हैंड सिग्नल

(1) इंगित: यदि सिग्नल उत्तरोत्तर धीमी गति से दिया जाता है तो गति को धीरे-धीरे कम करते हुए आगे बढ़ें।

(2) दिन के समय कैसे दिया जाता है:

हरे रंग की झंडी लंबवत ऊपर और नीचे लहराते हुए या एक हाथ को उसी तरह लहराते हुए जैसा कि नीचे चित्र में दिखाया गया है;





(3) रात के समय कैसे दिया जाता है:

हरे रंग की बत्ती को लंबवत ऊपर और नीचे लहराते हुए जैसा कि में दिखाया गया है:-



बी) पटाखा संकेत नियम

I. पटाखा संकेतों का विवरण

पटाखा संकेत, वह उपकरण है जो रेल पर फिक्स किए जाते हैं और जब एक इंजन, एक वाहन उनके ऊपर से गुजरता है, तो वे एक जोरदार विस्फोट के साथ फट जाते हैं ताकि लोको पायलट का ध्यान आकर्षित किया जा सके।

II. डेटोनेटर का उपयोग

(1) डेटोनेटरों के कब्जे वाले कर्मचारी उनका कोई अनुचित उपयोग नहीं करेंगे।

(2) डेटोनेटर का जीवन

डेटोनेटर का सामान्य जीवन पांच साल का होता है।

(3) डेटोनेटर को उपयोग करने की विधि

i. आवश्यक होने पर एक डेटोनेटर को उपयोग करने के लिए लेबल या ब्रांड को ऊपर की ओर करके रेल पर रखा जाना चाहिए और पत्तियों को रेल के सिर के चारों ओर झुकाकर रेल पर लगाया जाएगा।



ii. रेल जॉइंट और स्लीपर स्पेस पर डेटोनेटर नहीं लगाना चाहिए, बल्कि रेल पर रखना चाहिए जहां नीचे स्लीपर हो।

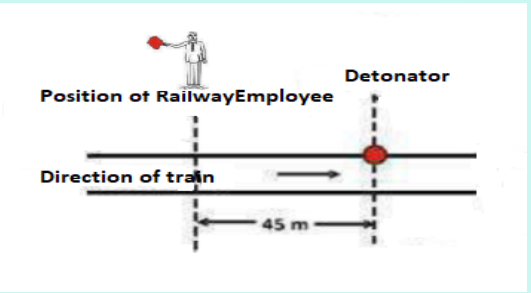
(4) अवरोध की स्थिति में डेटोनेटर लगाना

i. जब कभी किसी लाइन के अवरोध के परिणामस्वरूप रेल सेवक को आने वाली ट्रेनों को रोकना आवश्यक हो, तो वह अपने स्टॉप हैंड सिग्नल को स्पष्ट रूप से दिखाते हुए, बाधा से 600 मीटर की दूरी पर आगे बढ़ेगा और लाइन पर एक डेटोनेटर रखेगा और फिर बाधा से 1200 मीटर की दूरी पर लाइन पर आगे बढ़ें और लाइन पर एक दूसरे से लगभग 10 मीटर की दूरी पर तीन डेटोनेटर लगाएं।

ii. यदि उक्त रेल सेवक को बाधा हटाने से पहले वापस बुला लिया जाता है, तो वह तीन डेटोनेटर छोड़ देगा और वापस जाते समय मध्यवर्ती डेटोनेटर उठा लाएगा।

(5) डेटोनेटर से सुरक्षा दूरी

जब किसी रेल कर्मचारी ने एक या एक से अधिक डेटोनेटरों को लाइन पर रखा है तो इससे पहले कि एक समीप आने वाले इंजन या ट्रेन द्वारा विस्फोट हो उसे डेटोनेटर या पटाखों से 45 मीटर की सुरक्षा दूरी से दूर अवश्य हट जाना चाहिए।



4. सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कर्तव्य

ए) प्रत्येक रेल सेवक यह सुनिश्चित करेगा कि

I. जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाए।

II. उसके संज्ञान में आने वाली किसी भी घटना जो रेलवे के सुरक्षित या उचित कामकाज को प्रभावित करे उसके बारे में तुरंत अपने वरिष्ठ को रिपोर्ट करें, और मांग पर दुर्घटना या रुकावट के मामले में हर संभव सहायता प्रदान करना।

बी) प्रत्येक रेल सेवक, यदि देखता है कि -

I. किसी भी तरह की बाधा, रास्ते या कार्य के किसी भी हिस्से की विफलता या विफलता का खतरा,

II. ट्रेन के साथ कुछ भी गलत, या ट्रेन के सुरक्षित चलने, या जनता की सुरक्षा में किसी भी तरह की असामान्य परिस्थितियों के हस्तक्षेप की संभावना है,

III. दुर्घटना की रोकथाम के लिए, मामले की परिस्थितियों की मांग के अनुरूप जहां आवश्यक हो, तत्काल कदम उठायेगा और, निकटतम स्टेशन मास्टर को त्वरित संभव साधन से सूचित करेगा।

IV. ट्रेन के विभाजित हो जाने की स्थिति में, वह स्टॉप हैंड सिग्नल नहीं दिखाएगा, लेकिन लोको पायलट या गार्ड को चिल्लाकर, इशारा करके या अन्य साधन द्वारा ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करेगा।

V. कोई भी रेल सेवक जो चलती ट्रेन में हॉट एक्सल देखता है, वह ट्रेन को रोकने के लिए अपने अधिकार में सब कुछ करने के लिए बाध्य है और वह खतरे का संकेत देकर ट्रेन कर्मचारियों को सचेत करेगा।

सी) तोड़फोड़ की आशंका होने पर की जानेवाली कार्यवाही और आपातस्थिति में गश्त लगाना.

जैसे ही वह ट्रैक, पुलों या अन्य स्थायी संपत्ति की किसी भी तोड़फोड़ या संभावित तोड़फोड़, बम विस्फोट धमाका इत्यादि का संज्ञान करता है, तुरंत वह ट्रैक की रक्षा करेगा और निकटतम स्टेशन मास्टर को सूचित करेगा।

B. कोल्ड वेदर पेट्रोलमेन के उपकरण

1. टिन के डिब्बे में 10 कोहरे के संकेत
2. दो तिरंगे हाथ सिग्नल लैंप/ रिचार्जेबल एलईडी टॉर्च
3. एक माचिस का डिब्बी
4. दो लाल झंडी और एक हरी झंडी
5. एक तीन-सेल इलेक्ट्रिक टॉर्च
6. एक स्टाफ
7. नंबर प्लेट
8. स्पैनर
9. औद्योगिक सुरक्षा जूते / गम बूट, सुरक्षा जैकेट, रेन कोट, हेड लाइट के साथ हेलमेट सहित स्थानीय पोशाक नियमों के अनुसार सुरक्षात्मक कपड़े।
10. पेट्रोल चार्ट

D. ठंड के मौसम में पेट्रोलमेन के कर्तव्य

यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि पेट्रोलमेन अच्छी तरह से समझें कि आपातकाल की स्थिति में उन्हें क्या करना है। आपात स्थिति की स्थिति में पेट्रोलमेन को अपना पूरा समय और ऊर्जा लाइन की सुरक्षा और सहायता बुलाने में लगानी चाहिए। लाइन की रक्षा करने और सहायता बुलाने के बाद, उन्हें अपनी पेट्रोलिंग फिर से शुरू करनी चाहिए।

1. पेट्रोलिंग चार्ट के अनुसार ट्रैक पर सख्ती से गश्त करें।
2. प्रत्येक पेट्रोलमेन के पास एक पेट्रोल बुक होगी, जिसे पड़ोसी/ आसपास के पैट्रोलमेन से बदला जाएगा और जब भी पैट्रोल चार्ट के अनुसार पैट्रोलमेन स्टेशन पर पहुचेगा तो पुस्तक के एक हिस्से पर ड्यूटी पैर मौजूद एएसएम द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।
3. वेल्ड/ रेल फ्रैक्चर, या एसईजे में अत्यधिक अंतराल, या बोल्ट के कटने/ टूटने की साइट पर ट्रैक को सुरक्षित रखें और निकटतम स्टेशन मास्टर, जेई/एसएसई/पी.वे को रिपोर्ट करें।
4. सिंगल लाइन पर एक रेल के साथ एक दिशा में और दूसरी रेल पर वापसी की दिशा में धीरे-धीरे बीट पर चलें। डबल लाइन पर, इस प्रक्रिया को अप और डाउन ट्रैक पर बारी-बारी से दोहराएं।
5. सतर्क रहें और रेल/ वेल्ड विफलता, या एसईजे में अत्यधिक गैप, या बोल्ट के कटने/ टूटने आदि के लिए देखें।
6. यदि यह देखा जाता है कि रेल/ वेल्ड विफलता हुई है या एसईजे में गैप निर्धारित अधिकतम गैप से अधिक हो जाता है, तो पेट्रोलमेन यातायात को निलंबित करने और लाइन की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करेगा। ट्रैक की सुरक्षा करने के बाद, पेट्रोलमेन कीमैन/ गैंगमेट, जेई/एसएसई/पी.वे. और बगल के स्टेशन के स्टेशन मास्टर को रिपोर्ट करने की व्यवस्था करेगा।

7. रेल फ्रैक्चर/ वेल्ड फ़ेल्युर के मामले में की जाने वाली कार्रवाई

यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि जब भी रेल/ वेल्डेड जोड़ में कोई फ्रैक्चर देखा जाता है, तो कम से कम संभव देरी के साथ, यदि आवश्यक हो तो प्रतिबंधित गति के साथ ट्रैक को बहाल करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जाती है।

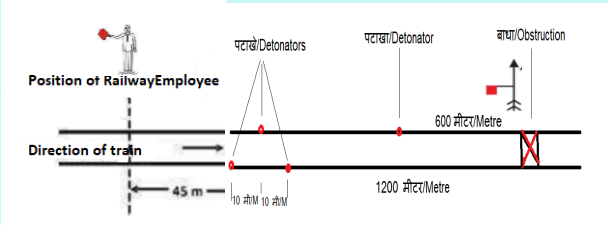
ए) लाइन की सुरक्षा

I. जैसे ही पेट्रोलमेन रेल फ्रैक्चर/ वेल्ड फ़ेल्युर को नोटिस करता है, उसको पहले ट्रैक की रक्षा करनी चाहिए। उसे जेई/एसएसई (पी.वे.) और नजदीकी स्टेशन के स्टेशन मास्टर को भी सूचना भेजनी चाहिए।

II. आपातकाल में अस्थायी सिग्नल

(1) जब भी किसी लाइन में रुकावट या किसी अन्य कारण से किसी रेल कर्मचारी के लिए ट्रेन को रोकना आवश्यक हो, तो वह मौके पर एक खतरे का संकेत लगाएगा और एक खतरे का संकेत (दिन में लाल झंडी और रात

में लाल बत्ती) के साथ एक आने वाली ट्रेन की दिशा में पूर्ण वेग से 600 मीटर की दूरी पर आगे बढ़े और एक डेटोनेटर को लाइन पर लगाए और उसके बाद वह रुकावट से कम से कम 1200 मीटर की दूरी पर आगे बढ़े और लाइन पर अलग अलग 10 मीटर की दूरी पर तीन डेटोनेटर लगाएं। फिर उसे वहां से कम से कम 45 मीटर की दूरी पर एक जगह खड़ा होना चाहिए, जहां से वह आने वाली ट्रेन का अच्छा दृश्य प्राप्त कर सकता है और वापस बुलाए जाने तक खतरे के संकेत को प्रदर्शित करना जारी रखे। यदि वापस बुला लिया जाता है, तो वह लाइन पर तीन डेटोनेटर छोड़ देगा और वापस आते समय लगातार खतरे का संकेत दिखाते हुए मध्यवर्ती डेटोनेटर को उठाएगा।



(2) सिंगल लाइन पर लाइन को बाधा के दोनों तरफ संरक्षित किया जाना चाहिए।

बी) आपातकालीन मरम्मत

टूटी रेल को 1 मीटर लंबी विशेष फिशप्लेटों के साथ स्क्रू क्लैम्पों तथा वेल्ड जोड़ पर फ्रेक्चर के लिए जोगल फिशप्लेटों के साथ बोल्ट वाले क्लैम्पों का उपयोग करके साइट की स्थिति और संभाव्यता के अनुसार रेल क्लोजर के साथ या बिना रेल क्लोजर डाले जोड़ दिया जाएगा।

I. यदि फ्रैक्चर 30 मिमी से कम के गैप के साथ है, तो टूटी रेल सिरों को फिश प्लेट और क्लैम्प के साथ जोड़ा जाना चाहिए।

I. जब फ्रैक्चर गैप 30 मिमी से अधिक हो, तो उचित लंबाई के एक क्लोजर का उपयोग किया जाना चाहिए और फिश प्लेट व क्लैम्प के साथ जोड़ा जाना चाहिए।

II. ऐसे मामलों में जहां रेल का एक छोटा हिस्सा या टुकड़ा गिर गया हो या कई फ्रैक्चर के मामले में, यातायात की अनुमति देने से पहले रेल को बदलना होगा।

III. वेल्ड की विफलता के मामले में, जॉगल फिशप्लेट और क्लैम्प का उपयोग किया जाना चाहिए।

सी) यातायात की बहाली

आपातकालीन मरम्मत पूरी होने के बाद, एक मेट/ कीमैन द्वारा निर्धारित गति से यातायात फिर से शुरू किया जा सकता है, जब तक रेलपथ आधिकारिक द्वारा रेल को बदला नहीं जाता।

पेट्रोलमेन (रेलवे कर्मचारी) के रूप में प्रतिनियुक्त ट्रैकमैन केवल पहली ट्रेन को भी पास कर सकता है, जो रेल / वेल्ड विफलता का पता लगाने के बाद और आपातकालीन मरम्मत करने के बाद ट्रैक की सुरक्षा के दौरान उसके द्वारा रोकी गई ट्रेन को पार करने के लिए आश्वस्त महसूस करता है।

पहली ट्रेन के लिए गति: रोककर और 10 किमी प्रति घंटा से आगे बढ़ना।

***

हमारा उद्देश्य /OUR OBJECTIVE

To upgrade maintenance technologies and methodologies and achieve improvements in productivity and performance of all railway assets and manpower which inter alia would cover reliability, availability for use, utilisation and efficiency.

सत्यमेव जयते

भारत सरकार - GOVERNMENT OF INDIA
रेल मंत्रालय - MINISTRY OF RAILWAYS

(केवल कार्यालय उपयोग हेतु /For Official use only)

(An ISO: 9001-2015 Certified Organization)

कोल्ड वेदर पेट्रोलमेन के कर्तव्य और दायित्व

Duties and Responsibilities of Cold Weather Patrolman

(End user – Cold weather patrolman)



कैमटेक/सि/ 2022 /डीआरसीडब्ल्यूपी/1.0
CAMTECH/C/2022/DRCWP/1.0
जनवरी/ January - 2022

अअमासं RDSO रेल अग्रदूत Transforming Railways www.rdso.gov.in

An ISO 9001-2015 Certified Organization उच्च अनुरक्षण प्रौद्योगिकी केन्द्र Excellence In Maintenance

Indian Railways
Centre for Advanced Maintenance Technology

महाराजपुर, ग्वालियर - 475005
Maharajpur, Gwalior – 474005
Telephone : 0751-2470869, Fax : 0751-2470841
E-mail :dircivilcamtech@gmail.com

DISCLAIMER

The information contained in this pamphlet does not supersede any existing provisions laid down in RDSO & Railway Board instructions. This document is not statutory & instructions given in it are for the purpose of guidance only.